

अर्थव्यवस्था में तरलता बढ़ाना

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने अर्थव्यवस्था में **नकदी प्रवाह** बढ़ाने के लिये **1.5 लाख करोड़ रुपए** से अधिक की पूंजी शामिल करने के उपायों की घोषणा की है।

RBI के तरलता उपायों के बारे में मुख्य बटु क्या हैं?

- **मुद्रा तरलता:** अर्थव्यवस्था में **नकदी** और आसानी से उपलब्ध वित्त की उपलब्धता, जो नविश और व्यय को प्रभावित करती है, उसे मुद्रा तरलता कहा जाता है।
 - वह **सरलता और गति** जिससे किसी परसिंपत्त को उसके मूल्य को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किये बिना **नकदी में बदला** जा सकता है, उसे तरलता के रूप में जाना जाता है।
- **तरलता की कमी का कारण:** **वदिशी संस्थागत नविशकों (FDI)** के बहरिगमन के बीच रुपए को स्थिर करने के लिये RBI द्वारा **वदिशी मुद्रा** की बिक्री के कारण तरलता में कमी आई है।
 - RBI रुपए के बदले अमेरिकी डॉलर की बिक्री करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में **रुपए की आपूर्ति** कम हो जाती है।
 - इसके परिणामस्वरूप **अल्पावधि ब्याज दरें** अधिक हो गई हैं तथा ऋण लेने की लागत में वृद्धि हो गई है।
- **RBI द्वारा उठाए गए कदम:** RBI की तरलता नविश योजना में **तीन उपाय शामिल हैं:**
 - **गवर्नमेंट बॉण्ड बायबैक:** इसका अर्थ है कि केंद्रीय बैंक या सरकार **परपिक्वता से पहले** बाजार से **बॉण्ड पुनर्खरीद करती है**।
 - यह **बॉण्डधारकों** (बैंकों, वित्तीय संस्थानों या नविशकों) को **भुगतान करके तरलता** प्रदान करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में नधि की उपलब्धता बढ़ जाती है।
 - **रेपो नीलामी:** रेपो नीलामी RBI द्वारा पर्युक्त एक **तरलता समायोजन उपकरण** है, जिसमें बैंक वांछति उधार दरों पर नधियों के लिये बोली लगाते हैं, तथा **RBI न्यूनतम बोलियों को तब तक स्वीकार करता है**, जब तक आवश्यक राशि आवंटित नहीं हो जाती।
 - **अमेरिकी डॉलर-रुपया स्वैप नीलामी:** **स्वैप नीलामी** मुद्राओं या वित्तीय साधनों के **अस्थायी वनिमिय** की सुवधि प्रदान करके बाज़ार में तरलता बढ़ाती है।
 - वदिशी मुद्रा बाज़ार में रुपए की बिक्री से बचकर तरलता के बहरिवाह को रोका जाता है, तथा **डॉलर ऋण लेकर घरेलू मुद्रा** को स्थिर किया जाता है।
- **संभावति रेपो दर में कटौती:** आगामी मौद्रिक नीतिसमीक्षा में **तरलता घाटे** को संबोधति करना **संभावति रेपो दर में कटौती का पूरव संकेत** हो सकता है।
 - **पर्याप्त तरलता** यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में **रेपो दर में की जाने वाली कटौती का लाभ** कम ब्याज दरों के माध्यम से उधारकर्त्ताओं तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सके।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. यदि आर.बी.आई. प्रसारवादी मौद्रिक नीतिका अनुसरण करने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता अनुपात को घटाकर उसे अनुकूलति करना
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर को बढ़ाना
3. बैंक दर को घटाना और रेपो दर को भी घटाना

नीचे दिये गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. मौद्रिक नीति समिति (मोनेटरी पालिसी कमिटी/MPC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह RBI की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों का निर्धारण करती है।
2. यह एक 12 सदस्यीय निकाय है जिसमें RBI का गवर्नर शामिल है तथा प्रत्येक वर्ष इसका पुनर्गठन किया जाता है।
3. यह केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में कार्य करती है।

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/injecting-liquidity-in-economy>

